भजन

तर्ज– मुझे इश्क है तुम्हीं से

निसवत से मिल गए हैं,मेरे साहेब मेरे स्वामी
हादी के कदमों चलना,ये बंदगी रूहानी
पहचान दे के अपनी,हम पर की मेहरबानी
हादी के..

1– छोड़ा नहीं अर्श को,और खेल में भी आईयां
बैठी तले कदम के,तुमसे जुदा भी होईयां
आकर बिसर गए हैं,जलवे तेरे नूरानी

2– जिस इश्क लाड में हम,तुम्हें पीठ देके आए
वो ही इश्क लाड देने,नासूत में हो आए
तेरे इश्क के बिना थी,उम्मत तेरी विरानी

3– जागो अपे जगाओ,फुरमान यह धनी का
सब साथ को जगाना,यह काम जागनी का
फुरमान सुन के दौड़े,मोमिन की यह कुरबानी

4– माशूक के हुकम पर,आशिक फना हों ऐसे
दीपक को देख करके,जलता पतंगा जैसे
पीछा न मुड़ के देखे,ये इश्क की निशानी